>

Title: Alleged offer of bribe by the officers of a company to an M.P.

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं सुषमा जी का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस इंपोर्टेंट मैटर पर मुझे पहले बोलने का अवसर दिया।

मैडम, कारपोरेट जगत के माफिया एमपी के घर तक पहुंच जाते हैं, उसे रिश्वत देने की कोशिश करते हैं और मारने की धमकी भी देते हैं। मारने की धमकी के बाद, दूसरे दिन भी कलेक्टर और एसपी की हाजिरी में उसे मारने की धमकी देते हैं और तब भी कोई कार्रवाई नहीं होती। मैं थोड़ा इसके पास्ट में जाना चाहता हूं। 15 महीने पुरानी यह लड़ाई है। केयर्न्स इंडिया कंपनी जो बाड़मेर से जामनगर तक एक ऑयल पाइप लाइन बिछा रही है। उसके खिलाफ मैंने कई आंदोलन किए, रैलियां कीं, लोकशाही में जो सारे हथियार थे, वे मैंने आजमा लिए, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। मैंने वहां के कलेक्टर को, जिसकी तारीख के बारे में मैं पूरा-पूरा ब्यौरा आपको दे रहा हूं, मैंने गुजरात के मैहसूल विभाग के अधिकारी के पास आरटीआई के अंतर्गत 16 अगस्त को आरटीई मांगी, जिसे आज सात महीने हो गए। आरटीआई में एक सांसद को कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है। उसके बाद मैंने 8 दिसंबर, 2010 को जामनगर कलेक्टर को लिखा, लेकिन कोई इन्फार्मेशन नहीं दी जा रही है। जो गुजरात का जमीन संपादन अधिकारी है, मिस्टर बॉबी, एक चिट्ठी लिखकर मुझे बता रहे हैं और उस चिट्ठी की नकल कंपनी के आफीसर को फारवर्ड करता है, आफिशियली देता है। वह किसकी ड्यूटी करता है? हमारी ड्यूटी करता है या कंपनी की करता है। इस सारी लड़ाई के बाद यह नतीजा निकला कि किसानों की जो जमीन ली जा रही है, उस जमीन के बदले में उन्हें मुआवजा मिलना चाहिए, जिसके लिए इस देश का कानून भी है। उनको मुआवजा क्या मिल रहा है?

एक किसान को 10 लाख रुपये, सेम पोजिशन पर दूसरे किसान को 2 लाख रुपये, तीसरे किसान को 30 हजार रुपये मिल रहे हैं। जब मैंने पूरा मामला डीएम, पूरे मीडिया और दस हजार किसानों के सामने पब्लिक हियरिंग में उठाया तो अधिकारी कहता है कि विक्रमभाई, जिस किसान को ज्यादा पैसे दे दिए हैं, हम उससे रिकवरी करेंगे, उस पर पुलिस केस करेंगे जबकि आप कलैक्टर हैं, आपके साइन हैं, चैक हैं कि सबको अलग-अलग पैसा दिया गया है। क्या आपकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? देश के किसान और गरीब लोगों की सारी जिम्मेदारी है? जो कुर्सी पर बैठे हैं, जिम्मेदार अधिकारी हैं, उन्होंने आन फूफ, मैं डौक्यूमैंट्स के साथ बोल रहा हूं, मेरे पास सारे डौक्यूमैंट्स हैं, 125 मीटर उंडा कुआं हैं, उसे एक लाख 40 हजार रुपये दिए गए और 225 मीटर उंडा कुआं है, उसे सिर्फ 70 हजार रुपये दिए गए। ...(व्यवधान) सारे फूफ हैं।...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): मैं आपको सपोर्ट कर रहा हूं।...(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : हरिन भाई, आपको जवाब देने की जरूरत नहीं है। मैं फूफ दूंगा।...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक : मैं सपोर्ट कर रहा हूं।...(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : आप सपोर्ट कर रहे हैं, इसके लिए धन्यवाद।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : मैडम, समाप्त कैसे होगा। अभी तो शुरू हुआ है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ज़ीरो आवर में ऐसा मत कीजिए। इतना लम्बा मत चलाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : मुझे धमकी क्यों दी गई, क्या मैटर है, उसे सुनिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : मैं अभी समाप्त नहीं करूंगा। मैं अपनी बात रखूंगा। * अगर एक राज्य के एमपी को एसपी और कलैक्टर के सामने मारने की धमकी मिलती है, उसके बाद भी मुझे समय नहीं मिलेगा तो मैं क्या अपेक्षा रखूंगा।

अध्यक्ष महोदया : मादम जी, आपने जो एक वाक्य कहा है, उसे वापस ले लीजिए। वह ठीक वाक्य नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : मैं अपनी बात वापस ले रहा हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए। आपने मुझे भी पत्र लिखा है। वह मेरे विचाराधीन है।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : मैडम, 11 मार्च को पब्लिक हियरिंग थी, यह सब लोगों को मालूम है। मैं पब्लिक हियरिंग में न जा सकूं, इसलिए मुझे 2 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की गई।...(व्यवधान) उसके बाद मुझे मारने की धमकी दी गई।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब हो गया। आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : दिल्ली पुलिस बोलती है कि केस नहीं बनता। जब मैं मर जाऊंगा, क्या तब केस बनेगा? उसके बल पर दूसरे दिन डीएम और एसपी की हाजिरी में फिर से वही आदमी, उसी नम्बर से श्री जगदीप छाया, केयर्न्स इंडिया का अधिकारी और एल एंड टी का अधिकारी श्री राउत राय, मुझे धमकी देते हैं। एसपी की हाजिरी में मैं पूफ देता हूं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होती।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आपकी बात हो गई है। कृपया आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : अगर यह केस नहीं बनता, एमपी मर जाएगा, एक दिन पार्लियामैंट बंद रहेगी, मुझे श्रद्धांजलि दी जाएगी, क्या उसके बाद केस बनेगा?...(व्यवधान) मैं मीडिया को धन्यवाद देता हूं कि वह चार दिन से लगातार सारे देश में इस बात को चला रही है। कोई एमपी सलामत नहीं है। गुजरात सरकार के सक्षम अधिकारी न जवाब दे रहे हैं, न केस बना रहे हैं, न मुझे प्रोटैक्शन दे रहे हैं। सारी सरकार मिलकर क्या मुझे मारना चाहती है?

मैं मांग कर रहा हूं कि अगर मैं मर जाऊं तो इस देश का एक दिन खराब मत कीजिए। मुझे श्रद्धांजलि नहीं चाहिए। जब मैं जिन्दा हूं और मुझे प्रोटैक्शन नहीं मिल रहा है, क्या मेरे मरने के बाद केस होगा?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : मैं अपनी तीन मांग दोहरा रहा हूं। उस अधिकारी को डिसमिस किया जाए। उस पर इन्क्वारी बिठाई जाए। सारे किसानों को उनका पूरा मुआवजा पहले दिया जाए। जब तक किसानों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा तब तक एक भी किसान के खेत के अंदर कम्पनी के ऑफिसर पैर नहीं रखेंगे।

अगर पैर रखेंगे, तो किसान उसका जवाब देंगे। लेकिन जब तक मेरी ये मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक मेरी बात पूरी नहीं होगी। मैं पन्द्रह महीने से लगातार नियम 377, जीरो ऑवर के तहत इस बात को पार्लियामैंट में उठा रहा हूं। मुझे आठ महीने से जीरो ऑवर में उठाये गये इस मुद्दे का भी जवाब नहीं मिला। मुझे कुछ नहीं मिल रहा है। ...(व्यवधान) मैं करूं, तो क्या करूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आपकी बात पूरी हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): अध्यक्ष महोदया, दिल्ली सरकार को निर्देश दिया जाये। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : संजय जी, आप क्यों खड़े हो गये हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये। शून्य प्रहर चल रहा है और उसे चलाने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रघुवंश जी, आप क्यों इतने आक्रोश में आ गये हैं? आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : किसी भी माननीय सदस्य की कोई भी बात रिकार्ड में नहीं जायेगी।

...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : माननीय सांसद मादम जी के कष्ट, दुख और पीड़ा को आज सदन ने सुना। इससे पहले भी सुना है। उन्होंने यह बात मुझे पत्र लिखकर भेजी है, जो मेरे विचाराधीन है। उनको जो आशंका और असुरक्षा है, उस ओर हम पूरा ध्यान देंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री राधे मोहन सिंह (ग़ाज़ीपुर): अध्यक्ष महोदया, दूसरे नम्बर पर हमारा नोटिस था। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम आपको भी बोलने का मौका देंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैडम, आप हाउस को आर्डर में लाइये। ...(व्यवधान) मैंने अपनी बारी छोड़कर उन्हें बोलने का मौका दिया। अब बात आगे चली जा रही है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यदि आपको मादम जी के साथ एसोसियेट करना है, तो आप सब पटल पर अपने नाम भेज दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : चौधरी लाल सिंह, सर्वश्री लाल चन्द कटारिया, भरत राम मेघवाल, संजय तकाम, एन.ईरींग, सुखदेव सिंह, डॉ प्रभा किशोर ताविआड, श्रीमती दीपा दासमुंशी, डॉ. संजीव गणेश नाईक, विनय कुमार पाण्डेय, सर्वश्री प्रवीण सिंह ऐरन, जगदम्बिका पाल जी इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।